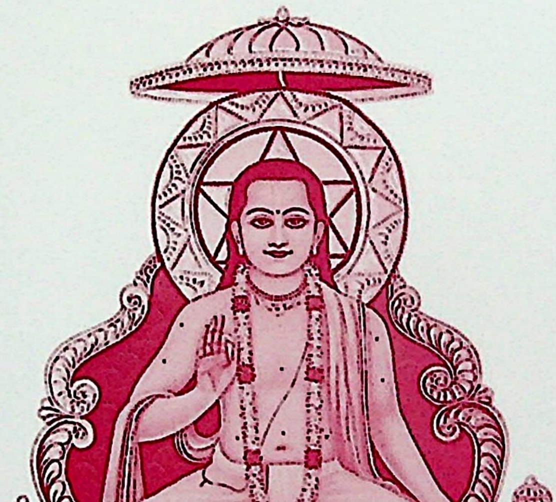
॥ श्रीराधासर्वेश्वरो विजयते ॥

॥ श्रीभगवन्निम्बार्काचार्याय नमः॥

श्रीनिम्बार्क - व्रतोत्सव



* श्रीसर्वेश्वरो जयति *

।। श्रीभगवन्निम्बार्काचार्याय नमः ।।

विविध पञ्चाङ्ग समन्वित कपालवेध मतानुसार

श्रीनिम्बार्क - व्रतोत्सव

(श्रीनिम्बार्काब्द ५११५-५११६, वि० सं० २०७७)

सम्पादक-

निम्बार्कभूषण पं० विश्वामित्र व्यास, श्रीनिम्बार्कतीर्थ

एवं

पं. हरिमोहन उपाध्याय, श्रीनिम्बार्कतीर्थ

परामर्श - **पं. अशोक शास्त्री**, किशनगढ

प्रकाशक - अ० भा० जगद्गुरु श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ, श्रीनिम्बार्कतीर्थ

(अजमेर) राजस्थान

प्रथमावृत्ति	चैत्र मास	न्यौछावर
२०००	२०७७	सदुपयोग

कपालवेध परिज्ञान

आवश्यक सूचना

श्रीसुदर्शनचक्रावतार श्रीभगवन्निम्बार्काचार्य ने एकादशी व्रत तथा भगवत्-भागवत जयन्तियों में तिथि का उदयकाल अर्द्धरात्रि ४५ घटी पर ही माना है, इसी का नाम स्पर्श (कपाल) वेध है । तात्पर्य यह है कि ४५ घटी के उपरान्त दशमी हो तो वह आगामी तिथि का स्पर्श कर लेती है । अतः इसका नाम स्पर्श वेध और अर्द्धभाग का नाम है कपाल इसलिये रात्रि के अर्द्धभाग को कपालवेध कहते हैं । कपाल वेध मतानुसार एकादशी शुद्ध और दूसरे दिन आठ महाद्वादशी में कोई महाद्वादशी हो तो एकादशी व महाद्वादशी दोनों ही व्रत करें, यदि दो दिन व्रत न कर सकें तो एकादशी व्रत का त्याग किया जा सकता है किन्तु महाद्वादशी व्रत का त्याग न करें इसका व्रत अवश्य करें । ऐसा शास्त्रीय विधान है ।

विशेष सूचना

श्रीनिम्बार्क-सम्प्रदाय आसेतु हिमालय पर्यन्त भारत-व्यापी सम्प्रदाय है । इस सम्प्रदाय के अनुयायी सर्वत्र रहते हैं, पञ्चाङ्ग भी अनेक स्थानों से प्रकाशित होते हैं, सबके घटी पल एक से नहीं मिलते । हमने अनेक पञ्चाङ्गों के आधार पर व्रतोत्सव तैयार किया है, जिस पर भी यदि किसी प्रकार का विवाद हो तो आपके प्रान्त में जो भी पञ्चाङ्ग चलता है, जिसको आप मान्यता देते हों उसी के घटी पलानुसार वेध का निर्णय कर मना लेवें । व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

--सम्पादक

आठ महाद्वादशी

जया, विजया, जयन्ती, पापनाशिनी, उन्मीलिनी, वंजुलिनी, त्रिस्पृशा, और पक्षवर्धिनी ये आठ महाद्वादशी हैं । इनका योग इस प्रकार बनता है, जैसे किसी भी मास के शुक्ल पक्ष की द्वादशी पुनर्वसु नक्षत्र से युक्त हो तो जया, रोहिणी से युक्त हो तो जयन्ती, पुष्य से युक्त हो तो पापनाशिनी तथा श्रवण नक्षत्र से युक्त हो तो चाहे शुक्ल पक्ष हो अथवा कृष्ण पक्ष वह विजया नामक महाद्वादशी कहलाती है । इसी प्रकार एकादशी पूर्ण हो और दूसरे दिन भी कुछ एकादशी हो तो वह द्वादशी उन्मीलिनी कहलाती है और यदि एकादशी और द्वादशी सम्पूर्ण हो और फिर त्रयोदशी को भी कुछ अवशिष्ट हो तो वह द्वादशी वंजुलिनी महाद्वादशी कहलाती है । द्वादशी का क्षय होकर रात्रि शेष में त्रयोदशी हो तो वह त्रिस्पृशा तथा अमावस्या व पूर्णिमा दो हो जाय तो वह पक्षवर्धिनी कहलाती है । इनका योग आ जाने पर दोनों सम्भव न हो तो शुद्धा एकादशी को छोड़कर महाद्वादशी में ही व्रत करना चाहिये, ऐसी शास्त्रों की आज्ञा है ।

एकादशी भवेत्पूर्णा परतो द्वादशी भवेत् ।
तदा ह्येकादशीं त्यक्त्वा द्वादशीं समुपोषयेत् ।। (स्कन्दपुराण)

भावार्थ-एकादशी पूर्ण हो अर्थात् पूर्व तिथि दशमी विद्धा न हो और अग्रिम तिथि द्वादशी महाद्वादशी के रूप में हो तब ऐसी अवस्था में एकादशी तिथि में एकादशी व्रत को त्याग कर महाद्वादशी के दिन ही व्रत करना चाहिये। यह शास्त्रीय विधान है ।

वैष्णव धर्म सुरद्रुम मञ्जरी के आचार तिलक के पृष्ठ १३६ पर अंकित श्लोक के अनुसार ।

पर्वाच्युतजयावृद्धौ, ईशदुर्गान्तकक्षये ।
शुद्धाप्येकादशी त्याज्या द्वादश्यां समुपोषणम् ।। (ब्रह्मवैवर्त पुराण)

भावार्थ-पर्व (पूर्णिमा, अमावस्या) अच्युत (द्वादशी) जया (त्रयोदशी) की वृद्धि हो और ईश (अष्टमी) दुर्गा (नवमी) अन्तक (दशमी) इनमेंसे किसी एक का क्षय हो तो शुद्धा एकादशी छोड़कर भी द्वादशी में व्रत करें।

* श्रीराधासर्वेश्वरो जयति *

।। श्रीभगवन्निम्बार्काचार्याय नमः ।।

श्रीमते सर्वविद्यानां प्रभवाय सुब्रह्मणे ।
आचार्याय मुनीन्द्राय निम्बार्काय नमोनमः ।।

श्रीनिम्बार्काब्द ५११५-५११६ वि० सं० २०७७ का
निर्णयसागर, श्रीधरी आदि पञ्चांग समन्वित-

कपालवेध मतानुसार

* श्रीनिम्बार्क - व्रतोत्सव *

* चैत्र शुक्ल पक्ष *

वि. सं. २०७७ शुक्ल १ बुधवार दि. २५ मार्च २०२० को ही नववर्ष प्रारम्भ, श्रीनवरात्र घट स्थापनादि शुभारम्भ, नूतन चान्द्र संवत्सर, नवरात्रारम्भ, कलश स्थापन, मिश्री कालीमिर्चयुत नव निम्बदलार्पण, पञ्चाङ्ग श्रवण एवं श्रीकेशव भट्टाचार्य पाटोत्सव।

३ शुक्र २७ मार्च (शिव पार्वती) गणगौर उत्सव ।

७ मंगल ३१ मार्च श्रीयमुना जयन्ती । श्रीपुरुषोत्तमाचार्य पाटोत्सव।
(षष्ठी पूर्व विद्धा होने से आज)

१० शुक्र ३ अप्रेल श्रीरामनवमी महोत्सव।
(नवमी पूर्व विद्धा होने से आज)

१२ रवि ५ अप्रेल श्रीकामदा एकादशी व्रत। (११ पूर्व विद्धा होने से आज)

१५ बुध ८ अप्रेल पूर्णिमा पुण्य, श्रीहनुमान् जयन्ती, वैशाख स्नान प्रारम्भ।

* वैशाख कृष्ण पक्ष *

४ शनि ११ अप्रेल श्रीपद्मनाभभट्टाचार्य पाटो.।(३ पूर्व विद्धा होने से आज)

५ रवि १२ अप्रेल श्रीरामचन्द्रभट्टाचार्य पाटो.।

१२ रवि १९ अप्रेल एकादशी एवं श्रीपक्षवर्धनी महाद्वादशी व्रत।
(पर्वाच्युतजयावृद्धौ वचनानुसार)

३० गुरु २३ अप्रेल वैशाखी अमावस्या।

* वैशाख शुक्ल पक्ष *

२ शनि २५ अप्रेल श्रीराधासर्वेश्वरशरणदेवाचार्य जी की ९२ वीं जयन्ती।

३ रवि २६ अप्रेल अक्षय तृतीया, भगवान् के चन्दन का शृङ्गार, सत्तू, ऋतुफल एवं शीतल पदार्थ समर्पण । भगवान् श्रीपरशुराम जयन्ती।

५ मंगल २८ अप्रेल वर्तमान जगद्गुरु निम्बार्काचार्य श्रीश्यामशरणदेवाचार्यजी महाराज का विरक्त दीक्षा महोत्सव।

६ बुध २९ अप्रेल श्रीनिम्बार्ककोट अजमेर में विराजमान भगवान् श्रीनिम्बार्कगोपीजनवल्लभजी का २७ वां पाटोत्सव ।

७ गुरु ३० अप्रेल भगवान् श्रीगोपालजी झीटियां-मेडता का पाटोत्सव।

८ शुक्र १ मई श्रीविलासाचार्य पाटोत्सव ।

९ शनि २ मई श्रीजानकी जयन्ती (नवमी) महोत्सव ।

११ सोम ४ मई श्रीमोहिनी एकादशी व्रत।

१३ मंगल ५ मई श्रीनिम्बग्राम संस्थित श्रीनिम्बार्क तपःस्थली पर प्राचीन मन्दिर के अतिरिक्त नवनिर्मित मन्दिर में विराजमान भगवान् श्रीनिम्बार्क-राधाकृष्णविहारीजी का ३३ वां पाटो.।

१४ बुध ६ मई श्रीनृसिंह जयन्ती।

१५ गुरु ७ मई पीपल पूर्णिमा पुण्य, वैशाख स्नान पूर्ति (स्नानदानादौ पर्वरूपा)

* ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष *

१ शुक्र ८ मई जलसेवा प्रारम्भ, आज से इस माह की पूर्णिमा पर्यन्त पूरे मास शीतल सुगन्धित जलशय्या पर भगवान् की शयन सेवातथा श्रीनिम्बार्क मारुति मन्दिर में श्रीहनुमान्जी का २६ वां पाटोत्सव। श्रीनिम्बार्कतीर्थद्वार, खातोली मोड ।

द्वि.६ बुध १३ मई श्रीवामनभट्टाचार्य पाटो.। (प्र.६ विद्धा होने से आज)

११ सोम १८ मई श्रीअपरा एकादशी व्रत।

३० शुक्र २२ मई अमावस्या।

* ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष *

३ सोम २५ मई श्रीराधासर्वेश्वरशरणदेवाचार्यजीमहाराज का ७७ वां पाटोत्सव एवं वर्तमान जगद्गुरु श्रीनिम्बार्काचार्य श्रीश्याम-शरणदेवाचार्यजी महाराज का युवराज पदासीन उत्सव। (२ पूर्व विद्धा होने से आज)

५ बुध २७ मई जगद्विजयी श्रीकेशवकाश्मीरिभट्टाचार्यजी का पाटोत्सव । (४ पूर्व विद्धा होने से आज)

६ गुरु २८ मई श्रीव्रजराजशरणदेवाचार्य पाटोत्सव। श्रीनिम्बार्कशरणदेवाचार्य पाटोत्सव। (५ पूर्व विद्धा होने से आज)

७ शुक्र २९ मई श्रीस्वरूपाचार्य पाटोत्सव ।

९ रवि ३१ मई श्रीवृन्दावन श्रीजी की बड़ी कुञ्ज मन्दिरस्थ भगवान् श्रीआनन्दमनोहरवृन्दावनचन्द्रजी एवं श्रीरूपमनोहरवृन्दावनचन्द्रजी का पाटोत्सव।

१० सोम १ जून अ. भा. श्रीनिम्बार्काचार्यपीठस्थ श्रीराधामाधव भगवम् का २५४ वां पाटोत्सव । मदनगंज संस्थित श्रीराधासर्वेश्वर भगवान् का ४२ वां पाटोत्सव ।

११ मंगल २ जून श्रीनिर्जला एकादशी व्रत। भगवान् श्रीविजयगोपालजी का पाटोत्सव।

१५ शुक्र ५ जून पूर्णिमा व्रतं।

* आषाढ कृष्ण पक्ष *

६ गुरु ११ जून भगवान् श्रीगोपाल मन्दिर श्रीगोपालद्वारा रूपनगढ का पाटो. एवं श्रीगोपाल मन्दिर चला जि. सीकर का पाटोत्सव ।

८ शनि १३ जून श्रीपद्माकर भट्टाचार्य पाटोत्सव तथा हीरापुरा जयपुर संस्थित भगवान् श्रीनिम्बार्कनिकुंजविहारीजी का २९ वां पाटो.।

१० सोम १५ जून श्रीकृष्णभट्टाचार्य पाटो.। (९ पूर्व विद्धा होने से आज)

१२ गुरु १८ जून एकादशी एवं श्रीउन्मीलिनी महाद्वादशी व्रत।
(११ दो होने से)

३० रवि २१ जून अमावस्या। खण्डग्रास सूर्यग्रहण। दि. २० जून को सूतक रात्रि १०.९ बजे लगेगा। दि. २१ जून को स्पर्श १०.९। मध्य ११.४७। मोक्ष १.३६। पर्व ३.२७।

* आषाढ शुक्ल पक्ष *

२ मंगल २३ जून श्रीरथयात्रा महोत्सव ।

७ शनि २७ जून ठा. श्रीयुगलविहारीजी-फतेहगढ का २३ वां पाटो.।
(६ क्षय होने से आज)

८ रवि २८ जून भक्तिमती श्रीमीराबाई संसेवित भगवान् श्रीगिरिधर-गोपालजी श्रीपरशुरामद्वारा पुष्कर का पाटो.।
(७ पूर्व विद्धा होने से आज)

१० मंगल ३० जून श्रीमाधवाचार्य पाटो.।

११ बुध १ जुलाई श्रीदेवशयनी एकादशी व्रत।

१५ रवि ५ जुलाई श्रीगुरुपूर्णिमा, श्रीहंस भगवान् से लेकर वर्तमान अचार्य पर्यन्त समस्त आचार्यों एवं निज गुरुदेव का पूजन ।

* श्रावण कृष्ण पक्ष *

११ गुरु १६ जुलाई श्रीकामदा एकादशी व्रत।

३० सोम २० जुलाई सोमवती अमावस्या। श्रीहरियाली अमावस्या ।

* श्रावण शुक्ल पक्ष *

३ गुरु २३ जुलाई झूलनोत्सव प्रारम्भ। श्रीबलभद्राचार्य पाटोत्सव।

७ सोम २७ जुलाई श्रीगोपीनाथ भट्टाचार्य पाटो.।

१२ शुक्र ३१ जुलाई एकादशी एवं श्रीजया महाद्वादशी व्रत।
(ईश दुर्गान्तकक्षये वचनानुसार ८ क्षय होने से)

१५ सोम ३ अगस्त पूर्णिमा श्रावणी उपाकर्म। रक्षाबन्धन-भद्रोपरान्त प्रातः
७-१८ उपरान्त। संस्कृत दिवस।

* भाद्रपद कृष्ण पक्ष *

प्र.६ रवि ९ अगस्त श्रीनिम्बार्काचार्यपीठाधीश्वर श्रीपरशुरामदेवाचार्य पाटो.।
(५ पूर्व विद्धा होने से आज)

८ बुध १२ अगस्त लीला पुरुषोत्तम भगवान् श्रीकृष्ण जयन्ती महामहोत्सव।

९ गुरु १३ अगस्त श्री नन्द महोत्सव, पलना दर्शन तथा बृहद् मेला।
(श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव एवं श्रीनन्द-महोत्सव ये दोनों महोत्सव अ. भा. श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ में प्रतिवर्ष बृहद् रूप से सम्पन्न होते हैं)

१० शुक्र १४ अगस्त श्री श्रीधर वाटिका में श्रीहनुमान्‌जी का मेला ।

११ शनि १५ अगस्त राष्ट्रीय स्वतन्त्रता दिवस ७४ वां।
अजा एकादशी व्रत।

१२ रवि १६ अगस्त श्रीनिम्बार्क मारुति मेला, श्रीनिम्बार्क मारुति मन्दिर, निम्बार्कतीर्थद्वार (खातोली मोड)। बछबारस।

१३ सोम १७ अगस्त श्रीवृन्दावनदेवाचार्य पाटो.।

३० बुध १९ अगस्त कुशोत्पाटनी (कुशग्रहणी) अमावस्या ।

* भाद्रपद शुक्ल पक्ष *

४ शनि २२ अगस्त श्रीगणेश जयन्ती । (गणेश चतुर्थी)

५ रवि २३ अगस्त श्रीऋषि पञ्चमी ।

६ सोम २४ अगस्त श्रीबलदेव जयन्ती-श्रीराधासर्वेश्वर मन्दिर, मदनगंज।
श्रीनिम्बार्काचार्यपीठाधीश्वर श्रीश्यामशरणदेवाचार्य श्री श्रीजी महाराज का जन्मोत्सव।

८ बुध २६ अगस्त श्रीराधा जयन्ती महोत्सव। यह महोत्सव श्रीराधासर्वेश्वर मन्दिर-मदनगंज-किशनगढ में विशिष्ट समारोह के साथ प्रतिवर्ष सम्पन्न होता है।

९ गुरु २७ अगस्त श्रीमद्भागवत जयन्ती महोत्सव । यह महोत्सव श्री निम्बार्कगोपीजनवल्लभ मन्दिर, श्रीनिम्बार्ककोट-पृथ्वीराज मार्ग, अजमेर में अतीव उल्लास के साथ प्रतिवर्ष सम्पन्न होता है।

११ शनि २९ अगस्त श्रीपद्मा (जलझूलनी एकादशी व्रत)। श्रीगोपालाचार्य पाटो.।

१२ रवि ३० अगस्त श्रीवामन जयन्ती एवं श्रीपद्माचार्य पाटोत्सव।

१४ मंगल १ सितम्बर श्रीअनन्त चतुर्दशी। पूर्णिमा व्रत, श्राद्ध पक्ष प्रारम्भ।

* प्रथम आश्विन कृष्ण पक्ष *

१ गुरु ३ सित. जगद्गुरु श्रीराधासर्वेश्वरशरणदेवाचार्यजी की श्राद्ध तिथि।

६ मंगल ८ सितम्बर श्रीघनश्यामशरणदेवाचार्य पाटोत्सव ।

११ रवि १३ सितम्बर श्रीभूरिभट्टाचार्य पाटो.। (१० पूर्व विद्धा होने से)

१२ सोम १४ सितम्बर श्रीइन्दिरा एकादशी व्रत। (११ पूर्व विद्धा होने से)

३० गुरु १७ सितम्बर अमावस्या पुण्य पर्व।

* अधिक आश्विन शुक्ल पक्ष (पुरुषोत्तममास प्रारम्भ) *

१ शुक्र १८ सितम्बर पुरुषोत्तममास प्रारम्भ।

११ रवि २७ सितम्बर श्रीपुरुषोत्तमा एकादशी व्रत।

१५ गुरु १ अक्टूबर पूर्णिमा व्रत।

* अधिक आश्विन कृष्ण पक्ष *

११ मंगल १३ अक्टूबर श्रीपुरुषोत्तमा एकादशी व्रत।

३० शुक्र १६ अक्टूबर अमावस्या। पुरुषोत्तम अधिकमास विधान पूर्ण, स्नान दान पर्व विशेष कांस्य पात्रे अपूप दानं।

* द्वितीय आश्विन शुक्ल पक्ष *

१ शनि १७ अक्टूबर शारदीय नवरात्रारम्भ । घट स्थापना ।

२ रवि १८ अक्टूबर आदिवाणीकार (युगलशतक निर्माता) श्री श्रीभट्टदेवाचार्य जी महाराज का पाटोत्सव ।

६ गुरु २२ अक्टूबर श्रीसरस्वती आवाहन व पूजन।

८ शनि २४ अक्टूबर सरस्वती विसर्जन एवं दुर्गा नवमी पूजन।

९ रवि २५ अक्टू. श्रीविजयादशमी, श्रीसुदर्शनादि सर्वायुध पूजा, शमी पूजन।
११ मंगल २७ अक्टूबर श्रीपापांकुशा एकादशी व्रत।
१२ बुध २८ अक्टूबर श्रीश्यामाचार्य पाटो.।
१५ शनि ३१ अक्टू. शरद् पूर्णिमा। पूर्णिमा व्रत। कार्तिक स्नान प्रारम्भ।

* कार्तिक कृष्ण पक्ष *

प्र. ६ शुक्र ६ नवम्बर श्रीगोविन्ददेवाचार्य पाटो. । (५ पूर्व विद्धा होने से)
९ सोम ९ नवम्बर श्रीगोविन्दशरणदेवाचार्य पाटो.।(८ क्षय होने से)
१० मंगल १० नवम्बर श्रीश्रवणभट्टाचार्य पाटो.। (९ पूर्व विद्धा होने से)
१२ गुरु १२ नवम्बर श्रीमाधवभट्टाचार्य पाटोत्सव। रमा एकादशी व्रत। (११ पूर्व विद्धा होने से आज) एवं श्रीमहाद्वादशी व्रत। (ईश दुर्गान्तक क्षये वचनानुसार) श्रीमहावाणीकार रसिकराज-राजेश्वर श्रीहरिव्यासदेवाचार्य पाटोत्सव।
१३ शुक्र १३ नवम्बर श्रीधन्वन्तरि जयन्ती।
१४ शनि १४ नवम्बर श्रीमहालक्ष्मी पूजन, दीपमालिका प्रदोषवेलायाम् दीपोत्सव, श्रीराधिकोत्थापन ।
३० रवि १५ नवम्बर श्रीअन्नकूट महोत्सव, श्रीगोवर्धन पूजा अ० भा० जगदुरु श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ में तथा अन्नकूट महो० मूंगी-पैठण मेंएवं वृन्दावनस्थ श्री श्रीजी की बड़ी कुञ्ज वृन्दावन में।

* कार्तिक शुक्ल पक्ष *

२ सोम १६ नवम्बर अन्नकूट महोत्सव श्रीपरशुराम द्वारा पुष्करराज।
३ मंगल १७ नवम्बर अन्नकूट महोत्सव भगवान् श्रीनिम्बार्कगोपीजनवल्लभ मन्दिर निम्बार्ककोट, अजमेर ।
४ बुध १८ नवम्बर अन्नकूट महोत्सव श्रीराधासर्वेश्वर मन्दिर, मदनगंज एवं अन्नकूट महोत्सव-श्रीगोपालद्वारा-किशनगढ ।
५ गुरु १९ नवम्बर अन्नकूट महोत्सव श्रीनिम्बार्कनिकुंजविहारी भगवान्, निम्बार्कनगर, हीरापुरा-जयपुर।

६ शुक्र २० नवम्बर अन्नकूट महोत्सव श्रीनिम्बार्कमारुति मन्दिर, निम्बार्क-तीर्थद्वार, खातोलीमोड ।

८ रवि २२ नवम्बर गोपाष्टमी महोत्सव पर आचार्यपीठ में गो पूजन एवं श्रीस्वभूरामदेवाचार्य जयन्ती महोत्सव ।

९ सोम २३ नवम्बर श्रीहंस सनकादि जयन्ती तथा श्रीसर्वेश्वर प्रभु का प्राकट्य दिवस । यह महोत्सव श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ में तथा विश्व विश्रुत भक्तिमती मीरां बाई द्वारा समुपासित श्रीगिरिधरगोपाल मन्दिर श्रीपरशुरामद्वारा स्थान-पुष्कर में विशेष रूप से मनाया जाता है। अक्षय आंवला नवमी।

प्र.१२ गुरु २६ नवम्बर श्रीदेव प्रबोधिनी एकादशी एवं वंजुलिनी महाद्वादशी व्रत। (पर्वाच्युत जयावद्धौ वचनानुसार १२ दो होने से)

१५ सोम ३० नवम्बर आद्याचार्य श्रीनिम्बार्क भगवान् का ५११६ वां जयन्ती महोत्सव। यह महोत्सव अ. भा. श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ, श्रीनिम्बार्क-तीर्थ में, श्रीपरशुरामद्वारा स्थान-पुष्कर में, व्रजधाम श्रीनिम्बग्राम में, श्रीनिम्बार्ककोट वृन्दावन में, श्री श्रीजी की बड़ी कुंज वृन्दावन में, श्रीनिम्बार्क प्राकट्य धाम मूंगी-पैठण (महा.) में, श्रीनिम्बार्कराधागोविन्द भगवान् वैरागी मठ भजनदासचौक, पण्ढरपुर (महा.) में श्रीनिम्बार्कनिकुंजविहारी आश्रम हीरापुरा जयपुर में, श्रीराधा-सर्वेश्वर मन्दिर मदनगंज-किशनगढ में तथा श्रीनिम्बार्क-गोपीजनवल्लभ मन्दिर निम्बार्ककोट अजमेर आदि एवं विश्वभर में प्रतिवर्ष विशेष समारोह पूर्वक होता है । कार्तिक स्नान पूर्ण।

* मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष *

१ मंगल १ दिसम्बर श्रीनिम्बार्क भगवान् की शोभायात्रा। निम्बग्राम, श्रीनिम्बार्क कोट वृन्दावनधाम, श्रीसर्वेश्वर संसद् जयपुर, श्रीनिम्बार्क प्राकट्य धाम मूंगी-पैठण आदि स्थानों में प्रतिवर्ष समारोह पूर्वक सम्पन्न होती है ।

६ रवि ६ दिसम्बर श्रीनिम्बार्क भगवान् का छठी महोत्सव श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ निम्बार्कतीर्थ एवं जयपुर में। प्राकट्य दिवस के ६ वें दिन।

७ सोम ७ दिसम्बर श्रीहरिवंशदेवाचार्य पाटोत्सव।

१२ शुक्र ११ दिसम्बर उत्पन्ना एकादशी एवं त्रिस्पृशा महाद्वादशी व्रत।

३० सोम १४ दिसम्बर अमावास्या पुण्य पर्व। सोमवती अमावस्या।

* मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष *

२ बुध १६ दिसम्बर सेतुकाकार श्रीसुन्दरभट्टाचार्य पाटोत्सव ।

११ शुक्र २५ दिसम्बर श्रीमोक्षदा एकादशी व्रत एवं श्रीगीता जयन्ती।

१२ शनि २६ दिसम्बर श्रीव्यञ्जन द्वादशी एवं श्रीनारद जयन्ती।

१५ बुध ३० दिसम्बर पूर्णिमा व्रत। श्रीकृपाचार्य पाटोत्सव।

* पौष कृष्ण पक्ष *

७ मंगल ५ जनवरी २०२१ श्रीसर्वेश्वरशरणदेवाचार्य पाटोत्सव ।
(६ पूर्व विद्धा होने से आज)

११ शनि ९ जनवरी श्रीसफला एकादशी व्रत एवं श्रीगोपालभट्टाचार्य पाटोत्सव।

३० बुध १३ जनवरी अमावस्या पर्व।

* पौष शुक्ल पक्ष *

१ गुरु १४ जनवरी मकर संक्रान्ति पर्व। अस्य पुण्यकाल पर्व सूर्योदय वेलायात। (श्रीराधासर्वेश्वरशरणदेवाचार्यजी का भगवद्धामप्रवेश संक्रान्ति।

९ शुक्र २२ जनवरी श्रीनारायणदेवाचार्य पाटोत्सव ।

११ रवि २४ जनवरी पुत्रदा एकादशी व्रत।

१३ मंगल २६ जनवरी गणतन्त्र दिवस ७२ वां।

१५ गुरु २८ जनवरी पूर्णिमा पुण्य पर्व, माघ स्नान प्रारम्भ।

* माघ कृष्ण पक्ष *

२ शनि ३० जनवरी वर्तमान जगद्गुरु श्रीनिम्बार्काचार्य श्री श्रीजी महाराज के निज गुरुदेव श्रीराधासर्वेश्वरशरणदेवाचार्यजी की चतुर्थ पुण्यतिथि।

६ बुध ३ फरवरी भगवान् श्रीनिम्बार्कराधागोविन्दविहारीजी का १३ वां पाटोत्सव श्रीनिम्बार्क सम्प्रदाय वैरागी मठ भजनदास चौक, पण्ढरपुर (महा.) ।

११ रवि ७ फरवरी श्रीगोपेश्वरशरणदेवाचार्य पाटोत्सव ।

(१० पूर्व विद्धा होने से आज)

१२ सोम ८ फरवरी श्रीसुदर्शनचक्रावतार श्रीभगवन्निम्बार्काचार्य मन्दिर, ग्राम मूंगी-पैठण जि. अहमदनगर(महाराष्ट्र) का १७ वां पाटो.। एवं ईश दुर्गान्तकक्षये वचनानुसार एकादशी एवं जया महाद्वादशी व्रत।

३० गुरु ११ फरवरी मौनी अमावस्या, श्रीबलभद्रभट्टाचार्य पाटो.।

* माघ शुक्ल पक्ष *

५ मंगल १६ फरवरी श्रीवसन्तोत्सव, श्रीसरस्वती पूजन । गीतगोविन्दकार श्रीजयदेव कवि जयन्ती महोत्सव। श्रीसर्वेश्वर संस्कृत महाविद्यालय का ८४ वां स्थापना दिवस। (स्थापना वि. सं. १९९४)

प्र. ६ बुध १७ फरवरी भाष्यकार श्रीनिवासाचार्य एवं जाह्नवीकारश्रीदेवाचार्य पाटोत्सव एवं वर्तमान श्रीनिम्बार्काचार्यपीठाधीश्वर श्रीश्यामशरणदेवा-चार्यजी महाराज का ५ वां पाटोत्सव। (५ पूर्व विद्धा होने से)

१२ बुध २४ फरवरी एकादशी एवं श्रीजया महाद्वादशी व्रत।

(१२ को पुनर्वसुनक्षत्र वशात्)

१५ शनि २७ फरवरी पूर्णिमा व्रत। माघ स्नान पूर्ण ।

* फाल्गुन कृष्ण पक्ष *

६ गुरु ४ मार्च श्रीगोपालद्वारा किशनगढ शहर संस्थित भगवान् श्री गोपालविहारीजी का पाटोत्सव ।

१२ बुध १० मार्च एकादशी एवं श्रीविजया महाद्वादशी व्रत।

(१२ कृष्णे श्रवणनक्षत्रवशात्)

१४ शुक्र १२ मार्च श्रीमहाशिवरात्री व्रत। (व्रतोपवास निर्णयानुसार)

३० शनि १३ मार्च अमावस्या।

* फाल्गुन शुक्ल पक्ष *

४ बुध १७ मार्च श्रीविश्वाचार्य पाटोत्सव।

११ गुरु २५ मार्च आमलकी एकादशी।

१५ रवि २८ मार्च पूर्णिमा व्रत। होलिका पर्व-होलिका दीपनं प्रदोषे सायं ६.४६ उपरान्त रात्रि ९.१३ यावत।

* चैत्र कृष्ण पक्ष *

१ सोम २९ मार्च धूलिवन्दन (छारंडी) दोलोत्सव । आचार्यपीठस्थ श्रीराधामाधवजी, श्रीविजयगोपालजी एवं श्रीव्रजविहारीजी मन्दिर श्रीनिम्बार्कतीर्थ में फाग महोत्सव।

२ मंगल ३० मार्च फाग महोत्सव श्रीपरशुरामद्वारा पुष्करराज एवं श्रीगांगलभट्टाचार्य पाटो.।

३ बुध ३१ मार्च फाग महोत्सव श्रीनिम्बार्ककोट अजमेर, श्रीउपेन्द्रभट्टाचार्य पाटोत्सव।

४ गुरु १ अप्रेल फाग महोत्सव श्रीराधासर्वेश्वर मन्दिर मदनगंज एवं फाग महोत्सव श्रीगोपालद्वारा किशनगढ ।

५ शुक्र २ अप्रेल फाग महोत्सव भगवान् श्रीनिम्बार्कनिकुंजविहारीजी हीरापुरा जयपुर। श्रीनिम्बार्क प्राकट्यस्थल मूंगी-पैठण।

१२ गुरु ८ अप्रेल एकादशी एवं श्रीपक्षवर्धिनी महाद्वादशी व्रत। (३० दो होने से)

१३ शुक्र ९ अप्रेल श्रीश्यामभट्टाचार्य पाटोत्सव एवं श्रीबालकृष्णशरण-देवाचार्यजी का ११४ वां पाटो.। (१२ पूर्व विद्धा होने से आज)

३० सोम १२ अप्रेल चैत्री सोमवती अमावस्या । चान्द्रवर्ष २०७७ पूर्ति।

*

श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ के दर्शनीय उत्सव-महोत्सव

1. अक्षय तृतीया- इस दिन भगवान् श्रीराधामाधवजी की चन्दन शृङ्गार युत मनोहर झांकी के दर्शन ।
2. श्रीराधामाधवजी का पाटोत्सव-भगवान् का पञ्चामृताभिषेक, विशेष नैवेद्य समर्पण एवं मनोहर फूल-बंगला में दर्शन ।
3. रथयात्रा महोत्सव-निज मन्दिर के बाहर जगमोहन में पुजारीगण एवं आचार्यश्री द्वारा रथों का अनुपम द्रुतगति परिचालन दर्शन ।
4. श्रीगुरु पूर्णिमा-आज के दिन वृहद् रूप से भक्त समुदाय एकत्रित होकर श्रीआचार्य-श्रीचरणों का पूजन करते हैं ।
5. झूलनोत्सव-यह उत्सव भी दर्शनीय है, झूलों की अनुपम छवि परम चित्ताकर्षक आनन्दकारी होती है ।
6. श्रीकृष्ण-जयन्ती नन्द महोत्सव-यह तो यहाँ का ऐतिहासिक दर्शनीय मुख्य महोत्सव (बृहद् मेला) है, पुष्करक्षेत्र में अ० भा० श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ के संस्थापक श्रीपरशुरामदेवाचार्यजी का पाटोत्सव भी इसी के अन्तर्गत है।
7. श्रीराधा जयन्ती महोत्सव-यह महोत्सव अ. भा. श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ द्वारा प्रतिष्ठापित एवं संचालित श्रीराधासर्वेश्वर मन्दिर मदनगंज-किशनगढ में बड़े ही समारोह पूर्वक प्रतिवर्ष समायोजित होता है ।
8. श्रीमद्भागवत जयन्ती महोत्सव-इस उत्सव का सुन्दर आयोजन अ. भा. श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ द्वारा प्रतिष्ठापित एवं संचालित श्रीनिम्बार्कगोपीजनवल्लभ मन्दिर, निम्बार्ककोट-अजमेर में सम्पादित होता है ।
9. शरद् पूर्णिमा-नख-शिख पर्यन्त सुन्दर शुभ्र शृङ्गार युक्त श्रीराधामाधवजी की मनोहर झांकी के दर्शन ।
10. विजयादशमी-सुदर्शनादि समस्त आयुधों की पूजा के साथ-साथ शमी पूजन एवं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान् श्रीराम की शोभायात्रा ।
11. दीपोत्सव-श्रीमहालक्ष्मीजी का पूजन, श्रीराधिकोत्थापन एवं दीपदान पूर्वक दीपमाला की परम मनोहर सुन्दर सजावट ।
12. अन्नकूट महोत्सव-श्रीगोवर्धन पूजा एवं श्रीसर्वेश्वर-राधामाधव प्रभु के विविध मधुर पदार्थ भोग दर्शन ।
13. श्रीहंस-सनकादि जयन्ती एवं श्रीसर्वेश्वर-प्राकट्य महोत्सव-यह दिव्योत्सव श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ एवं पीठ द्वारा प्रतिष्ठापित व संचालित

श्रीपरशुरामद्वारा स्थान (पुष्कर) में सम्पन्न होता है । यहाँ उक्त स्थान में भक्तिमती श्रीमीरां बाई के उपास्यदेव श्रीगिरिधरगोपाल भगवान् विराजमान हैं । यहीं पर परमाचार्यवर श्रीपरशुरामदेवाचार्यजी महाराज के योग समाधि के सुन्दर दर्शन है ।

14. श्रीनिम्बार्क जयन्ती महोत्सव-यह महोत्सव अ. भा. श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ में तथा आचार्यपीठ द्वारा प्रतिष्ठापित एवं संचालित श्रीपरशुरामद्वारा स्थान-श्रीपुष्करराज में विविध समारोह पूर्वक प्रतिवर्ष बड़े उल्लास के साथ सम्पादित होता है । इसी प्रकार यह महोत्सव श्री निम्बार्कराधा-कृष्णविहारी मन्दिर निम्बग्राम एवं श्री श्रीजी बड़ी कुंज वृन्दावन में तथा श्रीनिम्बार्क प्राकट्यधाम-मूंगी (पैठण) में परमोल्लास के साथ मनाया जाता है ।

15. श्रीनिम्बार्क जयन्ती छठी महोत्सव-यह पावन महोत्सव अ.भा. श्रीनिम्बार्काचार्य-पीठ, निम्बार्कतीर्थ (सलेमाबाद) में नानाविध कार्यक्रमों के साथ प्रतिवर्ष सम्पन्न होता है ।

16. फूल-डोल-फूलों के हिण्डोला में श्रीप्रिया-प्रियतम के दर्शन तथा सुगन्धित अबीर-गुलाल की बहार एवं रंगभरी पिचकारियों की फुहार ।

17. अधिकमास (पुरुषोत्तममास-प्रत्येक तृतीय वर्ष आने वाले अधिकमास के अवसर पर श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ में अनेकविध यज्ञादि आयोजनों के साथ यह महोत्सव समायोजित होता है ।

18. महाकुम्भादि पर्वो पर श्रीनिम्बार्कनगर-प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन, नासिक, वृन्दावन के महाकुम्भादि पर्वो पर श्रीनिम्बार्कनगर का भव्य निर्माण होता है। जहाँ श्रीसनकादि महर्षि संसेवित श्रीसर्वेश्वर प्रभु की सेवा तथा उनके दिव्य दर्शन एवं अखण्ड श्रीभगवन्नाम संकीर्तन, अनुष्ठान, पाठ, कथा--प्रवचन, श्रीरासलीला, श्रीरामलीला, सन्तसेवा, औषधालय, पुस्तकालय आदि के साथ भक्तजनों की आवास व्यवस्था भी रहती है । लगभग एक मास पर्यन्त यह महोत्सव संचालित रहता है जो अतीव दर्शनीय एवं परमानन्दप्रद होता है ।

उपर्युक्त प्रत्येक महोत्सव जगद्गुरु निम्बार्काचार्य श्री श्रीजी महाराज के पावन सान्निध्य में ही सम्पन्न होते हैं ।

*

पुस्तक प्राप्ति स्थान :-
अ. भा. जगद्गुरु श्रीनिम्बार्काचार्यपीठ
निम्बार्कतीर्थ (सलेमाबाद)
जि0 अजमेर (राजस्थान)
फोन नं. 01497 - 227831

मुद्रक :-
श्रीनिम्बार्क मुद्रणालय
निम्बार्कतीर्थ - सलेमाबाद